भजन

तर्ज....हर तरफ हर जगह बेशुमार

बार बार कहे पिया की वाणी
पहले करनी होगी हमें रहनी

1 पिया लायें वाणी रूहों के वास्ते
जो ना ले सिर अपने करें क्या वाणी

2 रहनी जीव की तो तुम कर ही रहें
अब करो रूह की जो बतायें धनी

3 चाहे चितवन करों या सूनो चर्चा
बिन रहनी के मिलते ना धाम धनी

4. खुद को ही जब तलक देंगे हम धोखा
दिल साफ किये बिन न रूह की जागनी

5 लेवें अवगुन गुन ना दिल में धरे
कैसे उस दिल में आएं धाम धनी